भारत - इरिट्रिया संबंध

भारत के व्यापारी 17वीं शताब्दी से इरिट्रिया के मसावा बंदरगाह से अच्छी तरह परिचित थे। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, 1941 में इरिट्रिया में कीरेन संग्राम में अनेक भारतीय सैनिक मारे गए थे।

इरिट्रिया पूर्व में इटली एवं ब्रिटेन का उपनिवेश था। 1952 में संयुक्त राष्ट्र ने इथोपिया के साथ इसे एक स्वायत्त संघीय संस्था के रूप में मान्यता दी। भारत ने 1993 में इसकी आजादी के शीघ्र बाद ही इरिट्रिया को औपचारिक मान्यता प्रदान कर दी थी।

पिछले वर्षों में, इरिट्रिया को भारत ने अनेक क्षेत्रों में क्षमता निर्माण के लिए सहायता की पेशकश की है जिसमें विधायी ड्राफ्ट तैयार करना, तकनीकी छात्रवृत्ति (कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य) तथा खाद्य सहायता भी शामिल है। 2009 में भारत सरकार द्वारा इरिट्रिया सरकार को 20 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहायता प्रदान की गई। इरिट्रिया के छात्र उच्च अध्ययन के लिए भारत आना पसंद करते हैं।

द्विपक्षीय आदान - प्रदान

जनवरी, 1995 में भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति पी एन भगवती ने इरिट्रिया में विधायी ड्राफ्टिंग पर आयोजित एक कार्यशाला में भाग लिया। दिसंबर, 2000 में, कृषि मंत्री महामहिम एरिफेन बिरहे तथा सचिव, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग द्वारा कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा में सहयोग के लिए एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किया गया। जून, 2001 में, इरिट्रिया के कृषि मंत्री ने भारत का दौरा किया। इसी साल अगस्त में इरिट्रिया के परिवहन एवं संचार मंत्री ने भारत का दौरा किया। शिक्षा मंत्री महामहिम श्री ओसमान सालेह मोहम्मद तथा कृषि मंत्री महामहिम श्री एरिफेन बिरहे ने जूनृ 2006 में भारत का दौरा किया। इस यात्रा के दौरान आई सी ए आर के साथ कृषि सहयोग पर एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किया गया। सितंबर, 2006 में, माननीय रक्षा मंत्री ने इरिट्रिया के स्वास्थ्य मंत्री श्री सालेह मैकी से न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 61वें सत्र के दौरान अतिरिक्त समय में मुलाकात की। अप्रैल, 2007 में, इरिट्रिया के कृषि मंत्री माननीय श्री एरिफेन बिरहे ने अपनी सरकार के विशेष दूत के रूप में भारत का दौरा किया। इरिट्रिया के कृषि मंत्री माननीय श्री एरिफेन बिरहे ने सितंबर, 2008 में भारत का दौरान किया। माननीय विदेश राज्य मंत्री प्रनीत कौर ने दिसंबर, 2009 में दक्षिण - दक्षिण सहयोग बैठक के दौरान अतिरिक्त समय में नैरोबी में इरिट्रिया के विदेश मंत्री से मुलाकात की। अगस्त, 2010 में, माननीय विदेश मंत्री श्री एस एम कृष्णा ने नई दिल्ली में इरिट्रिया के साथ अखिल अफ्रीकी ई-नेटवर्क परियोजना का उद्घाटन किया। इरिट्रिया के विदेश मंत्री माननीय श्री ओमान सालेह मोहम्मद ने एल डी सी सम्मेलन के लिए फरवरी, 2011 में भारत का दौरा किया। उन्होंने माननीय विदेश मंत्री से मुलाकात की। उन्होंने पुन: जून 2011 में भारत का दौरा किया तथा माननीय विदेश राज्य मंत्री श्रीमती प्रनीत कौर से मुलाकात की। विदेश राज्य मंत्री जनरल वी के सिंह ने सितंबर 2015 में इरिट्रिया का दौरा किया तथा तीसरी भारत - अफ्रीका मंच शिखर बैठक में भाग लेने के लिए

इरिट्रिया के राष्ट्रपति इसाइस अफवेरकी को प्रधानमंत्री की ओर से निमंत्रण पत्र सौंपा।

इरिट्रिया के विदेश मंत्री माननीय श्री ओमान सालेह मोहम्मद के नेतृत्व में इरिट्रिया के शिष्टमंडल ने 26 से 29 अक्टूबर 2015 के दौरान आयोजित तीसरी भारत - अफ्रीका मंच शिखर बैठक में भाग लिया।

क्षमता निर्माण में सहयोग

इरिट्रिया के आजाद होने के तुरंत बाद भारत ने कानून बनाने की उसकी प्रक्रिया में सहायता प्रदान करने की पेशकश की। भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग (आई टी ई सी) कार्यक्रम के माध्यम से छात्रवृत्ति के रूप में सहायता शुरू की गई है। पिछले वर्षों में, भारत ने इरिट्रिया को कृषि, दवा एवं शिक्षा सहित अनेक क्षेत्रों में क्षमता निर्माण के लिए सहायता की पेशकश की है।

वर्ष 1998 में, रोम में इरिट्रिया, भारत और एफ ए ओ के बीच एक त्रिपक्षीय करार पर हस्ताक्षर किया गया जिसके तहत कृषि उत्पादकता एवं उत्पादन, अंतर्देशीय मछली पालन एवं अक्वा कल्चर को बढ़ाने में मदद के लिए इरिट्रिया में लगभग 100 भारतीय कृषि विशेषज्ञ प्रतिनियुक्त किए गए।

इरिट्रिया के प्राधिकरणों तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के बीच कृषि के क्षेत्र में सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर वर्ष 2006 में उस समय किया गया जब इरिट्रिया के कृषि मंत्री भारत के दौरे पर आए थे।

2003 में, भारत ने इरिट्रिया को 5000 मीट्रिक टन गेहूँ दान में दिया। इससे पहले, भारत ने राहत सहायता के रूप में इरिट्रिया को 1500 मीट्रिक टन गेहूँ एवं 200 मीट्रिक टन चीनी प्रदान की थी।

इरिट्रिया के लिए भारत सरकार की अखिल अफ्रीका ई-नेटवर्क परियोजना का उद्घाटन अगस्त, 2010 में किया गया। सभी तीन साइटें (वी वी आई पी नोड, चिकित्सा एवं शिक्षा) चालू हो गई हैं। अखिल अफ्रीकी ई-नेटवर्क परियोजना के तहत मई एवं जुलाई, 2012 में अस्मारा स्थित ओरोटा नेशनल रेफरल हॉस्पिटल में विशेष व्याख्यान की दो स्क्रीनिंग को दर्शाया गया है।

इरिट्रिया सरकार के अनुरोध पर भारत ने दो साल के लिए इरिट्रिया को आई टी ई सी स्कीम के तहत एक कानूनी विशेषज्ञ उपलब्ध कराया है। 2009-10 के दौरान इरिट्रिया को 15 आई टी ई सी छात्रवृत्तियों की पेशकश की गई। मई 2011 में अदिस अबाबा में आयोजित दूसरी भारत - अफ्रीका मंच शिखर बैठक के अनुसरण में 2011-12 के दौरान आई टी ई सी प्रशिक्षण स्लॉटों की उपलब्धता बढ़ाकर 35 कर दी गई। 2015-16 के दौरान इरिट्रिया के नागरिकों के लिए 30 आई टी ई सी तथा 8 आई सी सी आर स्लॉटों की पेशकश की गई है।

इरिट्रिया के अधिकारियों ने 22-23 नवंबर, 2011 को नई दिल्ली में भारत सरकार की ऋण सहायता पर आयोजित सम्मेलन में भाग लिया। इरिट्रिया के एक अधिकारी ने 17 से 22 अक्टूबर, 2011 के दौरान मुंबई में आयोजित चौथे अंतर्राष्ट्रीय नागर विमानन वार्ता सम्मेलन (भारत - आई सी ए एन) में भाग लिया।

इरिट्रिया के एक शिष्टमंडल ने 2010 में भारत का दौरा किया। उन्होंने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली, दिल्ली विश्वविद्यालय एवं हैदराबाद विश्वविद्यालय का दौरा किया। इग्नू के साथ सहयोग के लिए एक करार किया गया।

विदेश मंत्रालय एवं एच एम टी (आई), भारत से तकनीकी विशेषज्ञों के एक तीन सदस्यीय दल ने अक्टूबर, 2014 में अस्मारा का दौरा किया तथा एक व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र, जिसके वर्ष 2015 के मध्य तक संस्थापित हो जाने की संभावना है, की स्थापना के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तथा परियोजना के पैरामीटरों को अंतिम रूप दिया।

आर्थिक एवं वाणिज्यिक संपर्क

2014-15 के दौरान, भारत - इरिट्रिया द्विपक्षीय व्यापार 244.73 मिलियन अमरीकी डालर के आसपास था।

भारत - इरिट्रिया व्यापार (यूएस मिलियन डॉलर में)

वर्ष	भारतीय निर्यात	भारतीय आयात	कुल व्यापार
2012-13	18.99	10.90	29.89
2013-14	16.45	4.85	21.30
2014-15	14.06	230.68	244.73

स्रोत : वाणिज्य विभाग, भारत सरकार

भारत से जिन वस्तुओं का निर्यात किया जाता है उनमें विद्युत एवं विविध इंजीनियरिंग उपकरण, औषधियां एवं भेषज पदार्थ, कॉटन यार्न एवं फेब्रिक शामिल हैं। इटली और यूएई के साथ भारत इरिट्रिया को निर्यात करने वाला सबसे बड़ा देश है। इरिट्रिया ने 2010 के दौरान भारत से 2,00,000 अमरीकी डालर मूल्य के मोटे अनाज का आयात किया। इरिट्रिया भारत को जिन वस्तुओं का निर्यात करता है उसमें मुख्य रूप से चमड़ा, खाल (कच्ची खाल को छोड़कर) एवं स्किन शामिल हैं।

इरिट्रिया भारत को माल एवं सेवाओं के निर्यात के लिए एकपक्षीय ड्यूटी फ्री टैरिफ तरजीह व्यापार पहुंच से संबंधित भारत के प्रस्ताव के लिए योग्य बन गया है। 2008 में शुरू की गई इस स्कीम के तहत, भारत की 84 प्रतिशत टैरिफ लाइनों पर एल डी सी से निर्यात को ड्यूटी

फ्री अक्सेस तथा अन्य 9 प्रतिशत के लिए तरजीही अक्सेस प्रदान की जाती है।

भारत ने जुलाई, 2009 में इरिट्रिया को 20 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहायता (शिक्षा एवं कृषि क्षेत्र की परियोजनाओं के लिए 10 - 10 मिलियन अमरीकी डालर) प्रदान की।

इरिट्रिया में भारतीय समुदाय एवं डायसपोरा

इरिट्रिया में भारतीय समुदाय की संख्या 1200 के आसपास है जिनमें से अधिकतर स्कूली शिक्षक एवं कारोबारी हैं। अधिकांश भारतीय अस्मारा में तथा आसपास और अनसेबा, डिबूब, उत्तरी लाल सागर क्षेत्र तथा दहलक द्वीप समूह में रहते हैं और काम करते हैं। भारतीय माध्यमिक स्कूलों एवं तकनीकी कॉलेजों जैसे कि इरिट्रियाई प्रौद्योगिकी संस्थान में शिक्षण स्टाफ के रूप में काम करते हैं। मेडिकल डाक्टर तथा निर्माण मजदूर भी हैं।

भारत ने नवंबर, 2008 में अस्मारा में एक मानद कांसुल नियुक्त किया है (श्री समीर पेट्रोस, ई-मेल: semere@gemel.com.er, टेलीफोन : +291-1-186742)। इरिट्रिया का नई दिल्ली में दूतावास है।

1500 से अधिक भारतीय सैनिकों ने इरिट्रिया एवं इथोपिया के लिए यूएन मिशन (यू एन एम ई ई) में अपनी सेवाएं दी हैं, जिनको फरवरी, 2007 तक दोनों देशों में तैनात किया गया था। मेजर जनरल राजेंद्र सिंह 2004 से 2006 के दौरान यू एन एम ई ई के फोर्स कमांडर थे।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय उच्चायोग, नैरोबी की वेबसाइट : http://www.hcinairobi.co.ke
भारतीय उच्चायोग, नैरोबी का फेसबुक पेज :
https://www.facebook.com/pages/India-in-Kenya-High-Commission-of-India-Nairobi/894496970596247?ref=aymt_homepage_panel
भारतीय उच्चायोग, नैरोबी ट्विटर : https://twitter.com/IndiainKenya

***

फरवरी, 2016